Edit with WPS Office

विद्या -भवन, बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

नीतू कुमारी, विषय -हिंदी ,वर्ग -तृतीय, दिनांक -15-09-2020

पाठ -12 मदर टेरेसा

एन.सी.ई.आर.टी पर आधारित

सुप्रभात बच्चों,

आज की कक्षा में आपको मदर टेरेसा के बारे में जानना है। जो कि इस प्रकार है-

मदर टेरेसा को 'मदर' इसलिए कहते हैं क्योंकि उनमें सबके लिए मां जैसी ममता थी। यही नहीं उन में विनम्रता ,सादगी जैसे आदि गुण भी भरे पड़े थे।

ममता की मूरत मदर टेरेसा का बचपन बड़ा दुखद था। माता- पिता, भाई और बहन के लार- दुलार में पलीं एग्नेस बचपन में गोल - मटोल और गोरी गुलाबी थी। अतः उन्हें एग्नेस के नाम से न पुकारकर 'गौंझा'के नाम से संबोधित किया जाता था। 'गौझा'का अर्थ है, 'फूल की कली'।

गौझा के बड़े भाई लाजर को मिठाई, केक, पेस्ट्री, चॉकलेट आदि खाने का बड़ा शौक था। माता जी द्वारा मिले अपने हिस्से से संतुष्ट ना होकर लजार सदैव मिठाई चुराने की ताक में रहते थे। जब माताजी सोने के लिए अपने शयनकक्ष में चली जाती तो लाजर चुपचाप दबे पांव रसोई में घुस जाते। केक पेस्ट्री चॉकलेट आदि चुरा कर खा जाते थे। जब कुछ और नहीं मिलता तो चैन चुरा कर ही चाट जाते थे।

बच्चों, आज के लिए इतना ही शेष अगली कक्षा में।

गृह कार्य-

दी गई अध्ययन -सामग्री को पूरे मनोयोग से पढ़ें तथा समझने का प्रयास करें। और कठिन शब्द चुनकर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखें।